समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

# कुछ मिनटों के लिए अरबपति बना मध्य प्रदेश का शख्स, डिजिटल गड़बड़ी ने दिलाई और छीन ली खुशी

Publisher

Published on 27 Oct 2025

मध्य प्रदेश से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक साधारण व्यक्ति **रातोंरात अरबपति बन गया**। सुबह जब उसने अपने मोबाइल बैंकिंग ऐप में बैलेंस चेक किया तो स्क्रीन पर **अरबों रुपये** की रकम देखकर उसकी आंखें फटी की फटी रह गईं। लेकिन यह खुशी कुछ ही मिनटों तक टिक पाई। बैंक की ओर से जल्द ही सफाई आई कि यह सब **डिजिटल गड़बड़ी (Digital Glitch)** का नतीजा था।

यह वाकया सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया — "अगर ऐसी गलती हमारे साथ होती तो ?" लेकिन इस घटना ने साथ ही डिजिटल बैंकिंग सिस्टम की खामियों और ऑटोमेटेड अपडेट्स की सटीकता पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

### कैसे हुआ अरबों का खेल ?

जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के एक छोटे शहर के रहने वाले **रवि नामक व्यक्ति** (परिवार की निजता बनाए रखने के लिए नाम बदला गया है) ने रविवार की सुबह अपने सेविंग अकाउंट में बैलेंस चेक किया। हमेशा की तरह उन्होंने अपने बैंक ऐप को खोला और स्क्रीन पर दिखाई दी रकम देखकर दंग रह गए।
जहां आमतौर पर उनके खाते में कुछ हजार रुपये होते थे, वहां अब **₹1,26,85,74,89,000 (करीब 1.26 लाख करोड़ रुपये)** का बैलेंस दिखा।

पहले तो रवि को लगा कि शायद यह किसी हैकिंग का मामला है, लेकिन कुछ ही देर में उन्होंने देखा कि खाते का इंटरफेस सामान्य है और किसी भी तरह का अलर्ट नहीं आया है।

उन्होंने तुरंत बैंक की शाखा से संपर्क किया। बैंक अधिकारियों ने सिस्टम की जांच शुरू की और थोड़ी देर बाद बताया कि यह

'**सर्वर सिंक्रोनाइजेशन एरर**' की वजह से हुआ है। कुछ मिनटों के भीतर यह त्रुटि ठीक कर दी गई और रवि का अकाउंट बैलेंस फिर सामान्य हो गया।

### कुछ मिनटों की अरबपति खुशी

रवि ने हंसते हुए बताया कि "उन कुछ मिनटों में मैंने अपने सपनों की सारी लिस्ट बना ली थी — नई कार, बड़ा घर, और दुनिया घूमने का प्लान भी!" लेकिन जल्द ही सच्चाई सामने आने पर उन्हें खुद भी इस घटना पर हंसी आ गई।
उन्होंने कहा, "मैं जानता था कि यह असली रकम नहीं हो सकती, लेकिन कुछ मिनटों के लिए खुद को अरबपति महसूस करना भी एक अलग अनुभव था।"

### बैकं ने दी सफाई

बैंक की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि यह एक **तकनीकी त्रुटि (Technical Error)** थी, जो सर्वर अपडेट के दौरान हुई। कुछ खातों में गलत बैलेंस दिखाई दे रहा था, जिसे कुछ ही मिनटों में दुरुस्त कर लिया गया।
बैंक ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी ग्राहक के खाते से न तो असली लेन-देन हुआ और न ही किसी प्रकार का वित्तीय नुकसान।

बैंक के आईटी विभाग ने मामले की जांच के लिए एक आंतरिक रिपोर्ट तैयार की है ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो।

### डिजिटल इंडिया और बैंकिंग टेक्नोलॉजी पर सवाल

भारत में पिछले कुछ वर्षों में **डिजिटल बैंकिंग** ने जबरदस्त प्रगति की है। यूपीआई, नेटबैंकिंग और मोबाइल ऐप्स के जरिए करोड़ों लोग हर दिन लेन-देन करते हैं।
हालांकि, इस घटना ने यह दिखा दिया कि **तकनीकी खामियों (Technical Glitches)** से पूरी तरह सुरक्षित रहना अभी भी चुनौती है।

साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं मुख्य रूप से डेटा सिंकिंग या सर्वर अपग्रेड के दौरान होती हैं, जब सॉफ्टवेयर कुछ समय के लिए गलत डेटा दिखाता है।
हालांकि, चूंकि यह केवल "फ्रंट-एंड" एरर होता है और बैंकिंग सिस्टम के कोर डेटाबेस में बदलाव नहीं होता, इसलिए असली पैसा न तो आता है, न जाता है।

### सोशल मीडिया पर बना मजाक और मीम्स की बाढ़

जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया पर पहुंची, ट्विटर (अब X) और इंस्टाग्राम पर #BillionaireForMinutes ट्रेंड करने लगा।
लोगों ने मजाकिया अंदाज में लिखा — "कभी-कभी किस्मत भी मजाक कर देती है!"
कई यूज़र्स ने मीम्स बनाते हुए कहा कि "अगर बैंक गलती से अरबों भेज दे, तो मैं उसे यूं ही वापस नहीं करूंगा।"

हालांकि, विशेषज्ञों ने मजाक में भी ऐसी बातों से बचने की सलाह दी। बैंकिंग कानूनों के मुताबिक, किसी गलती से आए पैसे को जानबूझकर इस्तेमाल करना **धोखाधड़ी (Fraud)** की श्रेणी में आता है।

### पहले भी हो चुकी है ऐसी घटनाएं

यह पहली बार नहीं है जब किसी के खाते में गलती से अरबों रुपये दिखे हों। इससे पहले झारखंड, बिहार, और उत्तर प्रदेश में भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जब सरकारी सब्सिडी या तकनीकी गड़बड़ी के कारण लोगों के खातों में अचानक भारी रकम आ गई थी।
हालांकि, हर बार जांच में यही पाया गया कि यह **डिजिटल एरर** था और कुछ मिनटों में सिस्टम अपने आप सही हो गया।

### बैंकिंग टेक्नोलॉजी मे सुधार की जरूरत

विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल बैंकिंग की रफ्तार बढ़ने के साथ-साथ **सर्वर सेफ्टी और डेटा सिंक्रोनाइजेशन** पर और ध्यान देने की जरूरत है।
भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) भी बैंकों को समय-समय पर तकनीकी ऑडिट और साइबर सिक्योरिटी चेक्स के लिए निर्देश देता रहा

है।

यह घटना भले ही हास्यास्पद और हल्की-फुल्की लगे, लेकिन इसने एक बार फिर याद दिलाया कि **डिजिटल भरोसे के साथ डिजिटल जिम्मेदारी** भी जरूरी है।

रवि जैसे लोगों के लिए यह एक यादगार वाकया बन गया — कुछ मिनटों की अरबपति वाली खुशी और फिर डिजिटल रियलिटी का सामना।
घटना ने यह भी दिखाया कि तकनीक इंसान को चौंका भी सकती है और हंसा भी सकती है।

भारत तेजी से डिजिटल भविष्य की ओर बढ़ रहा है, लेकिन ऐसी घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि **हर तकनीकी प्रगति के साथ सावधानी और सुरक्षा का साथ भी उतना ही जरूरी है।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.